2.4.8 - शैक्षणिक रूप से पुनर्भरण और शिक्षकों को फिर से जीवंत करने के लिए अपनाई गई प्रणालियाँ (उदाहरण के लिए पारंपरिक गुरुओं के साथ सीखना अनुसंधान अनुदान प्रदान करना, अध्ययन अवकाश, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों में नामांकन, सेवाकालीन प्रशिक्षण, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, वाक्यार्थ-सभा, शास्त्रार्थ-सभा, शास्त्र-परीक्षा, शास्त्र-स्पर्धा/संस्कृत-कवि-समन्वय (संस्कृत कवि सम्मेलन) आदि)

Systems adopted to recharge academically and rejuvenate teachers (e.g. learning with traditional Gurus, providing research grants, study leave, nomination to national/international conferences/ seminars, in-service training, organizing national/international conferences, vakyartha-Sabhas, Shastrartha-Sabha, Shastra-Pareeksha, Shastra-spardha/Samskrita-Kavi-Samavaya (Sanskrit Poets' Meet) etc.)

विश्वविद्यालय यहां के शिक्षकों को शैक्षणिक रूप से फिर से जीवंत करने के लिए बहुत से कार्यक्रमों की व्यवस्था करता है। जैसे - पारंपरिक गुरुओं के साथ सीखना अनुसंधान अनुदान प्रदान करना, अध्ययन अवकाश, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों में नामांकन, सेवाकालीन प्रशिक्षण, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, वाक्यार्थ-सभा, शास्त्रार्थ-सभा, शास्त्र-परीक्षा, शास्त्र-स्पर्धा/संस्कृत-कवि-समन्वय (संस्कृत कवि सम्मेलन) आदि कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

पारंपरिक गुरुओं के सानिध्य में **अध्ययन -**

काशी में यह एक प्राचीन परंपरा है कि शिष्य पारंपरिक तरीके से शास्त्रों का अध्ययन करने के लिए विश्वविद्यालय और गुरु के घर जाते हैं। गुरु अपने शिष्यों को उनके जीवन में प्राप्त परंपराओं के अनुसार शास्त्रीय विषय पढ़ाते हैं।

अध्ययन, अवकाश और सेवाकालीन प्रशिक्षण - विश्वविद्यालय में शिक्षकों के अध्ययन और प्रशिक्षण के लिए अध्ययन अवकाश स्वीकार किया जाता है। अभिविन्यास और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और डॉक्टरेट डिग्री प्राप्त करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में शिक्षकों को अवकाश प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय में शिक्षण में लगे शिक्षकों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आवश्यक सेवाकालीन प्रशिक्षण में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। इन शिक्षकों को यूजीसी द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आरसी) और ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाग लेने के लिए भेजा जाता है। इस पाठ्यक्रम में भाग लेने से शिक्षक बहुत से शिक्षण कौशल प्राप्त करते हैं। विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों ने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, ओरिएंटेशन कोर्स और विभिन्न अन्य पाठ्यक्रमों में भाग लिया है।

उन शिक्षकों की सूची , जिन्हें अध्ययन का अवसर प्राप्त हुआ है-

Øe la[;k	uke	laLFkk	lu~
1.	MkW- fotsUnz vk;Z	jkekuqte dkyst] fnYyh fo'ofo|ky;	19 twu ls 18 tqykbZ 2021
2.	MkW- dqat fcgkjh	jkekuqte dkyst] fnYyh fo'ofo|ky;	20 vDVwcj ls 18 uoEcj 2022
3.	MkW- e/kqlwnu feJ	**	20 vDVwcj ls 18 uoEcj 2022
4.	Jh fufru vk;Z	**	20 vDVwcj ls 18 uoEcj 2022

iqu'p;kZikB~;Øes ¼RC½

Øe la[;k	uke	laLFkk	lu~
1.	MkW- e/kqlwnu feJ	,p-vkj-Mh-lh-] dk'kh fgUnw fo'ofon~;ky;] okjk.klh	27 vxLr& 09 flrEcj 2021
2.	MkW- fotsUnz vk;Z	jkekuqte dkyst] fnYyh fo'ofo|ky;	20 tqykbZ ls 03 vxLr 2021
3.	MkW- lR;sUnz ;kno	,p-vkj-Mh-lh-] MkW- gfj flag xkSj	24 tuojh ls 28 Qjojh 2022
4.	MkW- nqxsZ'k ikBd	,p-vkj-Mh-lh-] MkW- gfj flag xkSj	01 flrEcj ls 08 flrEcj 2022
5.	MkW- fot; 'kekZ	jkekuqte dkyst] fnYyh fo'ofo|ky;	23 Qjojh ls 09 ekpZ 2023
6.	Jh fufru vk;Z	jkekuqte dkyst] fnYyh fo'ofo|ky;	23 Qjojh ls 09 ekpZ 2023
7.	MkW- dqat fcgkjh	jkekuqte dkyst] fnYyh fo'ofo|ky;	20 vDVwcj ls 18 uoEcj 2022
8.	MkW- e/kqlwnu feJ	**	20 vDVwcj ls 18 uoEcj 2022

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस , प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। इसमें योग के विषय पर विद्वानों द्वारा विशेष व्याख्यान दिया जाता है, जिसमें योग दर्शन के महत्व पर प्रकाश डाला जाता है। इसमें योग आसनों का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। शिक्षक और छात्र भाग लेते हैं। अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार शिक्षकों और छात्रों को शास्त्रीय कौशल और दक्षता के लिए तैयार करती हैं। विदेशी विद्वान् और भारतीय विद्वान् विषयों के दार्शनिक ज्ञान में भाग लेते हैं। प्रथमा अन्तराष्ट्रीया वाक्यार्थसभा के नाम से आयोजित अन्तराष्ट्रीय वाक्यार्थसभा में व्याकरण, मीमांसा, न्यायदर्शन और वेदांत दर्शन जैसे सिद्धांतों की तुलनात्मक चर्चा हुई।

वाक्यार्थसभा/शास्त्रार्थसभा-

विश्वविद्यालय में वाक्यार्थ सभा आयोजित की जाती है। इस आयोजित सभा में न्याय, व्याकरण, मीमांसा, वेदांत, बौद्ध धर्म आदि विषयों पर वाक्यों के अर्थ की चर्चा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा पूर्व एवं उत्तर पक्ष के रूप में समूहों में की जाती है। शास्त्रार्थ सभा यहां सक्रिय सबसे पुरानी परंपरा है।

शास्त्रपरीक्षा/शास्त्रस्पर्धा-

विश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष विभिन्न शास्त्रीय विषयों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। वे प्रतियोगिताएं स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाती हैं। छात्र अन्य छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं और राज्य स्तर पर एवं राष्ट्र स्तर पर चुने जाते हैं। शिक्षक छात्रों को विभिन्न स्तरों पर भाग लेने के लिए मार्गदर्शन करते हैं।

शास्त्र ज्ञान को बढ़ाने के लिए शास्त्र परीक्षा/शास्त्र प्रतियोगिता आयोजित की जाती है।

संस्कृत काव्य सम्मेलन-

विश्वविद्यालय एक संस्कृत काव्य सम्मेलन का आयोजन करता है। इसमें प्रतिष्ठित अनेक कवि वहाँ अपनी कविताएं पढ़कर नए-नए विषयों को प्रस्तुत करते हैं। विश्वविद्यालय 'काव्यकल्लोलिनी' नामक एक मासिक प्रकल्प भी काव्यपाठ के लिए आयोजित करता है।